Annual Report

Year 2009-10

Synergy Sansthan

B-6, Pandit Deendayal Parisar, Near Sent Marry School, Harda

Email: synergysansthan@gmail.com

Web: www.synergysansthan.engo.in

Content

I. Brief about Synergy Sansthan………………………………………………………………………
II. President Desk Note………………………………………………………………………………
III. CEO Desk Note…………………………………………………………………………………….
IV. Governing Body Introduction……………………………………………………………………..

Energy Make a Synergy through……….

- ***Panchayat Raj & Women Empowerment***

1. PRI Campaign…………………………………………………………………………

2. SHG Program…………………………………………………………………………

- ***Disaster Management***

3. Disaster Management at Community Level (CBDRM Project)…………………………

4. Training………………………………………………………………………………………

- ***Water and sanitation***

5. Water Quality and Monitoring Awareness Program ………………………………………

- ***Health***

6. Health Street Play ……………………………………………………………………………

- तंबाकू एवं मद्य निशेध कार्यक्रम–सामाजिक न्याय विभाग
- न ामुक्ति पर नुक्कड़ नाटको का आयोजन–समाज कल्याण विभाग के साथ
- स्वच्छता के लिए नुक्कड़ नाटको का आयोजन–जिला पंचायत म.प्र. स्थापना दिवस सप्ताह
- एचआईवी एड्स के क्षैत्र में नुक्कड नाटको का आयोजन–लेप्रा सोसाइटी के लिए
- एनएसवी, परिवार नियोजन के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम एवं कैंप में भागीदारी
- एचआईवी एड्स पर गोश्ठी का आयोजन–वृद्धाश्रम हरदा
- आरसीएच के लिए जागरूकता कार्यक्रम

7. Aids Awareness…………………………………………………………………………

- ***Agriculture and Land Development***

8. Agriculture Awareness at Zilla Panchyat …………………………………………………

9. Farmers Motivation for the Organic Field Development ………………………………

- ***Youth Development***

10. Youth Employment Study ……………………………………………………………

11. Writing Skill Training for Rural Youth…………………………………………………

12. Develop Youth Education …………………………………………………..

13. Active Citizenship……………………………………………………………………

- ***Child Development***

14. Child Right Participation ……………………………………………………………

15. Child Right Forum at District Level. ……………………………………………………

- ***Media Sencitization***

16. Media Workshop ………………………………………………………………

- ***Education***

17. Global Action Week……………………………………………………………………

- ***Study and Research***

18. Study on Article 17 Untouchable reflection on school going child. ……………………..

19. Micro Planning ……………………………………………………………………

- **Reflection Activities**

20. Change loom

21. Reflect (MANTHAN)

- ***Initiative***

22. Aadhar library …………………………………………………………………

23. Mess ……………………………………………………………………………………

24. Publications

I. Brief about Synergy

सिनर्जी संस्थान युवाओं का समूह है जो अपनी उर्जा को सामाजिक विकास के क्षेत्र मे लगा रहा है। संस्थान का गठन सामाज कार्य मे स्ताकउत्तरो उपाधी प्राप्त 8 युवाओं ने किया है । संस्थान का पंजीयन सोसाईटी रजिस्टीकरण अधिनियम, 1973 मे दिनांक 15 मई 2006 को किया गया है संस्थान का पंजीयन कमांक 09249 है। संस्थान, विगत 4 वर्षो से मध्यप्रदेश के हरदा जिले के झुग्गी झोपड़ी के बच्चों, वनवासी व दुर्गम क्षैत्रो में सामाजिक विकास के क्षेत्र में प्रयासरत है। संस्थान बच्चों, महिलाओ, दलित एवं वंचित वर्ग के सर्वागीण विकास के प्रति प्रतिबद्व है। संस्थान एक स्वैच्छिक संस्था है, जो समेकित पद्धति से बच्चों के सर्वागीण विकास के क्षेत्र में कार्य करती है। सिनर्जी संस्थान समाज में बच्चों को उनके सर्वागींण विकास के लिए समुचित अवसर मिले, उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव ना हो, के लिए जमीनी स्तर पर कार्यरत है।

बच्चों के सर्वागीण विकास को ध्यान में रखते हुए संस्थान बाल श्रम उन्मूलन, महिला स ाक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्राकृतिक संसाधनो के प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और आजीविका के मुद्दों पर कार्य कर रही है। इन सब मुद्दो में अनुसुचित जाति, अनुसूचित जनजाति, वंचित वर्ग एवं पहॅुच से दूर ग्रामो को प्रमुख रूप से भाामिल कर कार्य करना अपनी रणनीति में प्रमुख रूप से शामिल किया है।

II. Managing Body Introduction

	27 year old young energetic social activist Mr.Vimal Jat is the president of synergy Sansthan. He has done Master degree in social work from D.A.V.V. Indore in 2006., having 6 years of experience in development sector. He is member of Rogi Kalyan Samiti, District Hospital, Harda and member of District AIDS Prevention & control unite Harda.(MP)

	Social activist Mr. Ajay Pandit is the secaretary of the Synergy Sansthan. He is 28 year old. He is also qualified in master of social work from DAVV, Indore in 2006. He is expert on child right and agriculture. Also fellow of CRY- Natinaol Research Fellow 2009 and Change loomer of PRAVHA Dehli under Changelooms program batch 2009.

	Mr. Vishnu Jaiswal, Vice President of Synergy Sansthan, He is 29 year old having 6 years of expreince in development sector. He is also qualified in Master degree in Social Work from D.A.V.V. Indore in 2006. Also expert on Panchyat Raj, Women related issues, Self Help group, willd life and training.

Panchayat Raj & Women Empowerment

संस्थान, महिला सशक्तिकरण हेतु नेतृत्व विकास के ध्येय के साथ कार्य करती है। पुरूषवादी सोच के अंत एवं निर्णय प्रक्रिया मे महिला की बाराबरी की हिस्सेदारी हेतु सार्थक पहलो के साथ संस्थान सहायोग प्रदान करता है। महिलाओं के साथ कार्य भेद न हो इसके लिए संस्थान विभिन्न माध्यमों के द्वारा पैरवी करने का कार्य करता है। जेण्डर आधारीत निर्णय प्रक्रिया मे महिलाओं को निर्णय क्षमता, नेतृत्व क्षमता विकास एवं राजनैतिक तथा सामाजिक भागीदारी के लिए संस्थान जम़िनी स्तर पर ग्रामीण महिलाओं के साथ कार्य मे अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है।

Strengthening Women Empowerment in Election Process (SWEEP Campaign)

संस्थान ने द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से नेतृत्व को सशक्त करने हेतु एक व्यापक अभियान को हरदा जिले की 10 पंचायतो मे क्रियान्वित किया। अभियान का लक्ष्य मतदाताओं और उम्मीदवारों दोनो ही रूपों मे महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और कुशल नेत्त्व पर विशेष ध्यान देना है। इस अभियान की पहुंच खासकर वंचित वर्गो के उम्मीदवारों और महिलओं तक है जो अनारक्षित सीटों से चुनाव लड़ने की तैयारी में है। यह इसे सुनिश्चित करता है कि ऐसे अवसरों को उत्पन्न किया जाए की उससे निम्नवत की सृष्टि हो–

- 'जागरूक' मतदाओं के रूप में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि
- उम्मीदवारों के रूप में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि

- नेतृत्व की संकल्पना को फिर से परिभाषित किये जाना जिससे एक 'अच्छे' नेता की पहवचान संभव हो सके (मतदाताओं और उम्मीदवारों दोनों के ही मन में)
- एक सक्षमता का वातावरण क सृजन जो कि महिलओं की भागीदारी को आंतरिक तौर पर (परिवार के अंदर) और साथ ही वाहय (समुदाय, ग्राम पंचायत, नागरिक समाज, राज्य स्तर पर) प्रोतसाहित करता है।

अभियान अंतर्गत प्रमुख गतिविधियॉ

सामुदायिक बैठक
दीवार लेखन
पम्पलेट्स
जागरूकता कारवॉ
डेमो कैम्प
पोस्टर्स
फलेक्स
चिन्हित महिलाओं का प्रि ाक्षण
मीडिया कार्य ााला
सांझा मंच बैठक

प्रमुख उपलब्धियांः–

1. कार्य क्षेत्र से अनारक्षित सीट पर एक महिला उम्मीदवार का खड़ा होना। 2. 18 अनारक्षित एवं मुक्त सीटो पर महिला पंचो ने उम्मीदवारी जताई।

3. 16 अनारक्षित एवं मुक्त सीटो पर महिला उम्मीदवार जीत कर आई।

4. महिलाओं का विकास के नाम पर वोट मॉगने निकलना।

5. मीडिया द्वारा पंचायत चुनाव के दौरान आरक्षण की स्पष्टता एवं महिला नेतृत्व संबंधी खबरों का प्रकाशन।

6.महिलाओं का प्रस्तावक, मतदान एवं मतगणना एजेन्ट के रूप में निकलकर आना। जहॉ अभियान क्षेत्र में 2005 के चुनाव में एक भी महिला प्रस्तावक/मतदान एवं मतगणना एजेन्ट के रूप में नहीं थी वहीं इस चुनाव के दौरान 4 महिलाओ की भागीदारी रहीं।

7. अभियान क्षैत्र के कुल मतदान प्रति ात में वृद्धि।

Disaster Management at Community Level (CBDRM Project)

भारत अपनी भौगोलिक परिस्थितियों के कारण हमेशा से ही प्राकृतिक आपदाओं के खतरे से घिरा हुआ है। बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकम्प, भूस्खलन का होना आम बात है। नई दिल्ली वी0एम0पी0टी0सी0 द्वारा बनाये गये नक्शे मे भारत मे होने वाले विभिन्न खतरों के विषय मे स्पष्ट उल्लेखित किया गया है। BMPTC द्वारा दर्शाये गये नक ो मे स्पष्ट उल्लेखित है कि भारत के कुल क्षेत्रफल 3287262 वर्ग किलोमीटर मे से लगभग 60 प्रतिशत भाग मे विभिन्न स्तरो के भूकम्प के खतरे विद्यमान है। वर्तमान समय मे लगभग 40 हजार हेक्टेयर भूमि बाढ़ से, 8 प्रतिशत क्षेत्रफल चक्रवात तथा कुल भू–भाग का लगभग 68 प्रतिशत भू–भाग सूखा से ग्रसित है।

आपदा प्रबंध संस्थान एवं यूनीसेफ के सहयोग से सीडीआरएम परियोजना (समुदाय अधारीत आपदा जोखिम प्रबंधन) का कार्य किया जा रहा हैं। इस परियोजना को मध्यप्रदेश के 10 चिन्हांकित जिलो मे क्रियान्वित किया जा रहा हैं।

जिला हरदा में समुदाय अधारित आपदा जोखिम प्रबंधन परियोजना का क्रियान्वयन सिनर्जी संस्थान द्वारा किया जा रहा हैं। परियोजना को जिले के 25 चिन्हांकित गांवो मे किया गया हैं।

परियोजना अंतर्गत की गई प्रमुख गतिविधियॉं

ग्राम आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण

- **ग्रामीण सहभागी आकलन कार्य**
    - **समय चित्रण**
    - **ग्राम का सामाजिक चित्रण**
    - **जोखिम/असुरक्षा मानचित्र**
    - **ग्राम आपदा प्रबंधन योजना**
- **दलो का निर्माण एवं प्रशिक्षण**
- **साईनेज**
- **दिवार लेखन**

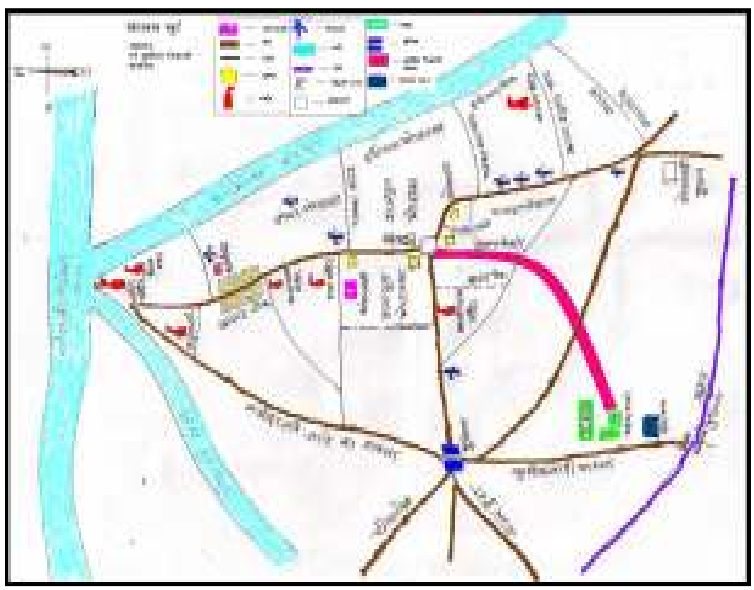

वर्तमान मे 15 गॉवों मे आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण कार्य पुरा हो चुका है। 15 ग्राम आपदा प्रबंधन समिति के साथ विभिन्न दलो जैसे प्राथमिक स्वास्थ एवं चिकित्सा दल, खोज एवं बचाव

दल, पूर्व सूचना एवं चैतावनी दल, राहत एवं समन्वय दल एवं नुकसान आकलन दलो के लगभग 525 महिला एवं पुरूषो को विभिन्न आदाओं एवं आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षित किया गया है।

बच्चों की भागीदारी एवं प्रशिक्षण

आपदा के समय क्या करें –क्या न करें विषय पर 15 गॉव के लगभग 1200 बच्चों साथ प्रशिक्षण किया गया ।

College Youth Training on Disaster Management

हरदा जिले के 5 कॉलेजो के लगभग 220 स्वयं सेवको को विभिन्न आपदाओं के समय अुनक्रिया हेतु प्रशिक्षित किया गया है। आपदाकाल के दौरान स्वयंसेवी रूप से कार्य करने हेतु अभिप्रेरित किया गया ।

Water and sanitation

Water Quality and Monitoring Awareness Program

हमारा जीवन सुरक्षित पेयजल पर निर्भर है। हम बिना भोजन के लगभग 2 माह तक जीवित रह सकते है परंतू बिना पानी के हम 3 दिन के अंदर ही मर जायेगें। दूशित पेयजल आज पूरे वि व में चिंता का विशय है और इस स्थिति में कोई परिवर्तन होते नहीं दिखाई दे रहा है। इसका प्रभाव अविकसित एवं विकास ील दे ों में अधिक हो रहा है। आज यदि हम पृथ्वी पर पानी की उपस्थिति पर दृश्टि डालें तो पाते है कि पृथ्वी का 71 प्रति ात भाग पानी से घिरा है एवं भोश 29 प्रति ात भाग स्थल है। इतना पानी होने के बाद भी पानी के लिए चारों ओर त्राहि–त्राहि क्यो? पृथ्वी पर कुल उपलब्ध जल में से 96 प्रति ात समुद्र 3 प्रति ात ग्ले ि यर्स तथा 1 प्रति ात में नदी, तालाब और नलकूप आदि है।

परियोजना की गतिविधियांः–

1. पम्पलेट वितरण
2. दीवार लेखन
3. प्रश्नोत्तरी
4. सामूदायकि बैठक
5. प्रशिक्षण
6. नुक्कड़ नाटक
7. प्रदर्शनी

अर्थात पृथ्वी पर कुल उपलब्ध जल का 1 प्रति ात जल ही हमारे उपयोग का है। इस 1 प्रति ात जल में से पूरे जल को हम पेयजल के रूप में उपयोग नहीं कर सकते। पेयजल का उपयोग के पहले यह सुनि ि चत करना आव यक है कि वह पीने के लिए उपयुक्त है या नहीं अन्यथा वह कई प्रकार की बीमारियां उत्पन्न कर सकता है। दूशित पेयजल के कारण कई तरह की गंभीर बीमारियां होती है। असुरक्षित जल एवं जल के प्रयोग की गलत आदतों से मुख्यतः बच्चों को अधिक प्रभावित करती है। संस्थान ने जल गुणवत्ता एवं सहीं प्रयोग हेतु परियोजना के प्रथम चरण मे टिमरनी विकासखण्ड के 25 गॉवो मे क्रियान्वयन किया गया।

परियोजना के परिणामः–

परियोजनांतर्गत उपरोक्त गतिविधियों का क्रियान्वयन चिन्हांकित 25 ग्रामों मे किया गया है। जिसमे समुदाय के द्वारा जल प्रशिक्षण के लिए आवश्यक रसायन की खरीदी हेतु रूपया एकत्र किया गया । निम्न लिखित रूप से समुदाय के लोगो ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई ।

क्र.	ग्राम का नाम	सामुदायिक बैटक		स्कूल गतिविधि	दिवार लेखन	प्रशिक्षण		नुक्कड नाटक		भौतिक परिक्षण	रसायनिक परिक्षण	प्रदर्शनी
		पु	महिला			पु.	म.	पु	म			
हरदा जिले के 25 ग्राम		480	364	867	100	56	93	806	511	991	188	1500

Health Awareness Program

मद्य निषेध सप्ताह

- वर्ष 2009 मे संस्थान के द्वारा मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्यतः नुक्कड़ नाटक एवं प्रश्न–उत्तरी का आयोजन जिले के विभिन्न 15 ग्रामो एवं 3 शहरी बस्तीयों मे किया गया । नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समुदाय तक निम्न जानकारियॉ पहुँचाने का प्रयास किया है।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

- संस्था के द्वारा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवंबर 2009 से किया गया। जिसमे मुख्यरूप से टेमागॉव एवं मसनगॉव मे नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया । नुक्क्ड़ नाटक को आयोजन संस्था के

युवा स्वयं सेवको के द्वारा किया गया । नुक्कड़ नाटक मे मुख्यतः युवाओं एवं ग्रामीणों मे नशे की आदतो एवं उसके सामाजिक कुप्रभावो के बारे मे विस्तार पुर्वक बताया गय। तम्बाकू, मदिरा एवं अन्य प्रकार के नशे के सेवनो के प्रभावो को प्रश्नो–उत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से बताया गया।

तीर्थ स्थानों पर तम्बाकू के प्रभावो पर किया जागृत

- नर्मदा नदी के किनारो पर बसे ग्राम हंडिया एवं नेमावर में साधु संतो तथा भक्तो को मेला प्रायः लगा रहाता है। यहां पर मुख्यतः अमावस्या के दिन हरदा एवं देवास जिले के लोग बड़ी संख्या मे आते है। तम्बाकू एवं धुम्रपान का सेवन यहां सामन्यतः किया जाता रहा है। संस्थान के साथियों के द्वारा नर्मदा नदी के तट पर धुम्रपान से होने वाल शारीरिक एवं पर्यावरण हानी के बारे जानकारी देने का प्रयास किया। जिसके लिए कार्यकर्ताओं ने निम्न गतिविधियों का क्रियान्वयन किया

एचआईवी एड्स के क्षैत्र में नुक्कड नाटको का आयोजन–

- एचआव्ही/एड्स विषय पर जन जागृती लाने के लिए संस्थान ने लेप्रा सोसाइटी के सहयोग से 2 ग्रामो मे नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया ।

एनएसवी, परिवार नियोजन के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम एवं कैंप में भागीदारी

संस्थान के कार्यकर्ताओं के द्वारा एनएसवी एवं परिवारो नियोजन केम्प मे भागीदारी निभाई। जिसके अंतर्गत कार्यर्ताओ ने पुरूषों एवं महिलाओं को परिवार नियोजन की विभिन्न विधियों के बारे जानकारी देकर प्रयोग हेतु अभिप्रेरित किया।

- **एचआईवी एड्स पर गोश्ठी का आयोजन–वृद्धाश्रम हरदा**

  एचआईव्ही एड्स पर जागरूकता हेतु युवाओं एवं हरदा की विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ मिलकर एड्स विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया । जिसमे एचआईव्ही एड्स पर जानकारी एवं हरदा जिले की स्थिति को जानने का प्रयास किया। युवओं के साथ मिलकर एचआईव्ही एड्स पर सांझा रूप से कार्य करने की योजना पर सुझाव प्राप्त किये।

आरसीएच के लिए जागरूकता कार्यक्रम

आरसीएच सबंधी विषयों एवं चलाई जा रहीं योजनाओं पर जन जागृती लाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम जिले के 25 गॉवो मे किया गया। जिसके अंतर्गत मुख्यतः शिशु स्वास्थ एवं टीकाकरण, कुपोषण, भ्रुण परिक्षण जागरूकता, प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात, बेटी बचाव, किशोरी स्वास्थ प्रजनन एवं यौन स्वास्थ तथा परिवार नियोजन विषयो पर ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

- ***Agriculture and Land Development***

25. Agriculture Awareness at Zilla Panchyat

जिले मे नरवाई जलाने की परापंरा सी हो गई है जिसे रोकने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा शक्ति का भी प्रयोग किया गया । किन्तु इसके परिणाम सकारात्मक नहीं रहे है। संस्थान ने अन्य स्वयं सेवी संगठनो के साथ मिलकर नरवाई नहीं जलाने के लिए किसानो को अभिप्रेरित किया । नरवाई नहीं जलाने के विकल्प पर नई तकनीको पर भी किसानो को जानकारी प्रदान की गई। इसी तारत्मय मे संस्थान ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर 100 किसानो के लिए सम्मेलन को आयोजन किया जिसमे किसानो को नरवाई न काटने के विकल्प पर विस्तार से चर्चा की गई। वर्ष मे नरवाई नहीं जलाने वाले किसानो को संस्थान की ओंर से सम्मानीत किया गया। कार्यक्रम मे जिलाधिश सहीत शहर के कई गणमान्य नागरीको ने शिरकत कर अपने विचारो से अवगत कराया।

26. Farmers Motivation for the Organic Filed Development

जिले मे मुख्यतः गेहुॅ एवं सोयाबीन की फसलो का उत्पादन प्रचुर मात्रा मे किया जाता है। किन्तु इन फसलो का उत्पादन रसायनीक खादो एवं दवॉईओं के द्वारा किया जाता है, जो कि स्वास्थय के लिए हानिकारक है। रसायनिक खादो एवं दवॉईओं से पक्की फसल का प्रयोग खाने मे करने से शरीरिर के पाचन तंत्र को हानि होती है। संस्थान ने 10 किसानो को अभिप्रेरित किया गया। किसानो को उनके घरो मे खाने के उपयोग मे लगने वाले अनाज को पूर्णतः जैविक पद्धिति से उगाने के लिए अभिप्रेरित किया गया । जिससे वह वाणिज्यक लाभ भी कमा पाये एवं जैविक भोजन भी ग्रहण कर सके।

- ***Youth Development***

27. Youth Employment Study

संस्थान ने एड् इट एक्शन के कोप प्रोजेक्ट, हरदा के साथ मिलकर हरदा जिले के 12 वन ग्रामो मे एक अध्ययन किया गया। जिसका उद्देश्य आदिवासी युवओं मे के लिए उपलब्ध संसाधनो मे व्यवसाय की संभावनाओं को तलाशना था। अध्ययन के अंतर्गत 12 ग्रामो के 200 युवओं को साक्षात्कार लिया गया। वहीं ग्रामीणो से विशय केन्द्रित चर्चा हर ग्राम मे की गई। जिससे युवाओं के व्यवासय हेतु कई नवाचार युवाओं एवं ग्रामीणों की ओंर से सुझाएँ गए।

28. Writing Skill Training for Rural Youth

ग्रामीण स्तर की समस्याओं को सामाने लाने के लिए मीडिया एक अच्छा माध्यम है। किन्तु मीडिया के पास ग्रामीण स्तर की समस्यओं को लाने के तंत्र एवं इच्छा शक्ति की कमी स्पष्ट दिखाई देती है। संस्थान ने कम्यूनीटी मीडिया के सहयोग से ग्रामीण स्तर की समस्याओं को सामने लाने के लिए युवओं को मीडिया के गुर सीखाने का प्रयास किया। लेखन कौशल कार्यशाला के माध्यम से कार्यक्षैत्र स्तर के 20 युवा स्वयं सेवको को लेखन सबंधी तकनीको का प्रक्षिशण श्री राजेन्द्र बंधु जी के द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला मे दिया गया है। लेखन कार्यशाला के प्रभाव से ग्रामीण युवओं ने अपने ग्राम की समस्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार करना प्रारंभ किया यहीं कार्यशाला की उपलब्धी रही ।

29. Develop Youth Education

संस्थान ने युवओं के शिक्षा श्रेणी मे विकास के लिए निरंतर कार्य किया है औंर कर रहीं है। संस्थान ने इस वर्श 5 युवाओं को शिक्षा की मुख्यधारा मे लाया गया हैं। जिसमे एक युवा जो कि 9वी कक्षा छोड़कर पिछले 8 वर्षो से साक्षरता तंत्र को छोड़ दिया था। किन्तु संस्थान के प्रयास से युवा को 10 कक्षा मे प्रवेश दिलाया गया। जिससे व दसीव कक्षा उत्त्तीर्ण कर आगे की तैयारी कर रहा है। इसी प्रकार 3 युवओं को सामाज कार्य मे स्नानतकउत्तरों उपाधी हेतु अभिप्रेरित किया गया है। युवओं को सहीं दिशा तय करने का कार्य भी इसी कार्यक्रम के माध्यम से किया जा रहा है।

Active Citizenship

युवओं को सक्रिय नागरीक बनाने के लिए संस्थान के द्वारा कई कार्य किऐ जाते है। जिससे युवाओं मे सक्रियता का विकास हो सके । जिसके लिए संस्थान सामाजिक दिवसो के साथ–साथ अन्य वार्षिक अंतराष्टीय दिवसो मे युवओं की भागीदारी को बढ़ाना । युवओं मे स्वयं सेवी भाव को जागृत करने के लिए संस्थान कॉलेज एवं स्कूल स्तर पर सक्रियता विकास आधारीत गतिविधियों का आयोजन करती है। युवओं के नेतृत्व विकास हेतु संस्थान स्कूल एवं कॉलेज स्तर पर कार्यशालओं का आयोजन किया गया है। आपदाकाल मे युवाओं के अंदर स्वयंसेवी रूप से कार्य करने का प्रशिक्षिण दिया गया है।

Child Development

30. Child Right Participation

यूएन कनवेन्शन के अंतर्गत बालाधिकारों को चार भागो मे विभाजित किया है। 1. विकास का अधिकार 2. संरक्षण का अधिकार 3. जीवन जीने का अधिकार एवं 4. सहभागीता का अधिकार। संस्थान का मानना है कि बाल अधिकारो की पूर्ती के लिए निश्चित ही कार्य होना चाहीए । किन्तु बाल अधिकार मे यदि सहभागीता के अधिकार पूर्णतः प्राप्त हो जाता है तो दूसरे अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाते है। बाल सहभागीता को लेकर संस्थान के द्वारा दो स्तरों पर कार्य किया जा रहा है।

1. पैरवी स्तर पर जिसके अंतर्गत संस्थान ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री से बाल पंचायत करवाने हेतु आग्रह किया था। बाल पंचायत के अंतर्गत यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया गया था कि बाल संबंधी सभी नीतियों एवं कानूनों के निर्माण के समय बच्चों की भागीदारी सूनिश्चित की जाए। औंर बच्चों के द्वारा दिये गए सूझावो पर अमल भी किया जाये। मुख्य मंत्री के द्वारा राज्य स्तर पर तो नहीं किन्तु हरदा जिले मे इस प्रकार की बाल पंचायतो के आयोजन हेतु मुख्यमंत्री के द्वारा जिला प्रशासन को निर्दे ात किया गया था। बाल पंचायत को बाल सहभागीता अधिकार के तौर पर करवाने की कोशिश संस्थान की जारी है।

2. जमि़नी स्तर पर बाल अधिकारो पर कार्य करने के साथ–साथ बाल सहभागीता पर जोर देना अत्यधिक आवश्यक प्रतित होता है। इस हेतु संस्थान ने बाल सहभागीता हेतु बाल पंचायत का गठन कर बच्चों को उनसे संबंधि प्रत्येक निर्णय की प्रक्रिया से जोड़ना है। जमि़नी स्तर पर इसके कियान्वयन हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है।

31. Child Right Forum at District Level.

बाल अधिकारो के संरक्षण हेतु यूनिसेफ के सहयोग से बाल अधिकार फोरम का गठन किया गया। बाल अधिकार मंच का गठन राज्य स्तर की संस्थाओं ने मिलकर राज्य स्तरीय बाल अधिकार मंच का गठन किया है। उसी प्रकार जिला स्तर पर बाल अधिकारो की पैरवी हेतु जिला स्तरीय स्वयं सेवी संगठनो एवं बाल अधिकारो पर व्यक्तिगत रूप से कार्य करने वाले व्यक्तियों द्वारा बनाया गया है। हरदा जिले मे बाल अधिकार मंच के संयोजन का कार्य संस्थान के द्वारा किया जा रहा है। बाल अधिकार मंच मे जिले की 5 स्वयं सेवी संस्था एवं 3 समाजिक कार्यकर्ता है।

32. Media Sanitization

Media Workshop

मीडियाकर्मियों को ग्रामीण मुद्दो पर पत्रकारीता करने हेतु अभिप्रेरित किया गया। जिले स्तर की समस्याओं को मीडिया बन्धुओं के द्वारा बहुत अच्छे तरीके से लिखा जाता है। जिसके सकारात्मक परिणामो के कई उदाहरण दिखाई देते है। किन्तु जमि़नी स्तर के मुद्दो को लेखन मे लाना कम ही संभव हो पाता है।

इसके लिए संस्थान मीडियॉ बन्धुओं के साथ मिल कर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसके अंतर्गत जमि़नी मुद्दो को पत्र–पत्रिकाओं तक लाने की रणिनीति का विकास किया गया है। जिससे ग्रामीण समस्याओं एवं मुद्दो को सबके सामने लाया जा सके।

- ***Education***

Global Action Week
बाल अधिकारो की पैरवी हेतु संगठात्मक रूप संस्थान की सोच है। एक्श्न एड्, भोपाल के साथ मिलकर ग्लाबल एक्शन सप्ताह का आयोजन किया गया। शिक्षा का अनिवार्य एवं निःशुल्क अधिकार का आना एक अच्छी पहल हैं। किन्तु इस कानून के अंतर्गत कई सारी विसंग्तियॉ है जिसका संस्थान विरोध करता है। शिक्षा का अधिकार कानून मे मुद्दो पर आधारीत विरोध प्रदर्शन किया गया । जिसमे शिक्षा का अधिकार के कानून हेतु पर्याप्त बजट का प्रावधान न करने पर विरोध किया गया। विरोध प्रदर्शंन हेतु हरदा शहर के मुख्यमार्ग घंटा घर चौंक पर भीख मांग कर प्रदर्शन किया गया। भीख मांग कर प्राप्त राशि को शिक्षा मंत्री तक पहुॅचाया गया। इस प्रदर्शन के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने शिक्षा अधिकार के बजट मे केन्द्र से मदद हेतु कार्यवाही कर बजट को बढ़ाया गया ।

- ***Study and Research***

33. Study on Article 17 Untouchable reflection on school going child.

हरदा जिले मे जातिवाद एवं अस्पशृता ग्रामीण स्तर की मुख्य समस्याओं मे से एक है। सामुदायिक स्तर पर अस्पशृता को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। किन्तु बच्चों पर अस्पशृता के प्रभावो का आकलन करने के लिए संस्थान के श्री अजय पंडित ने क्राय संस्था के सहयोग से स्कूल जाने वाल बच्चों पर अस्पशृता के प्रभावो को देखने हेतु अध्ययन कार्य जिले के 10 गॉवो मे किया गया।

Micro Planning

जिले के वनग्रामो मे कई प्रकार की समस्याओं व्याप्त है। बच्चो मे शिक्षा की स्थिति का आकलन एवं शिक्षा विकास हेतु ग्रामीणो के साथ मिलकर योजना तैयार की गई । शिक्षा पर केन्द्र मे रख कार्य करने की सोच संस्थान के साथ माईक्राप्लान किया गया। 12 वन ग्रामो मे एड् इट एक्शन के कोप कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षा आधारीत माईक्रोप्लान तैयार किया गया। माईक्रोप्लान अंतर्गत शिक्षा संबंधि समस्याओं को निकाल कर उन समस्याओं के समाधान हेतु योजना तैयार की गई । स्कूल न जाने वाले बच्चें, स्कूल छोड़ चुके बच्चें एवं अप्रवेशी बच्चों की सूची तैयार की गई । जिसमे लगभग 410 बच्चें स्कूल न जाने वाले निकल कर आयें। इन ऑकड़ो को शासकीय तंत्र के साथ बांट कर सकारात्मक कार्य योजना तैयार की गई। जिसमे शासकीय तंत्र द्वारा पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान किया गया था।

- **Reflection Activities**

34. Change loom

संस्था के सदस्यो की क्षमता वर्द्धन एवं दिशा सुझाव देने के लिए दिल्ली की प्रवाह संस्था के द्वारा चेंजलूम कार्यक्रम का क्रियान्व्यन किया जा रहा है। जिसमे युवओ के द्वारा चलाएॅ जा रहे

सामाजिक प्रेरक कार्य को सहयोग दिया जाता आ। वर्ष 2009–10 मं चेंजलूम कार्यक्रम मे भारत से 7 संस्थाओ को चयन किया गया है जिसमे सिनर्जी संस्था एक है। चेंजलूम कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थागत विजन मिशन एवं नए प्रयोगो मे नियमित सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत संस्था के कार्यकताओ ने शैक्षणिक भ्रमण गंगासागर जा कर किया । चेंजलूम कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था के स्वयं सेवको के द्वारा नियमित कार्यक्रम किया जा रहा है

35. Reflect (MANTHAN)

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संस्थान के पंजीयन दिनांक 15 मई को सिनर्जी परिवार के सदस्यों को आमंत्रित किया गया। बिते वर्ष मे संस्थान के द्वारा की गई गतिविधियों पर विस्तार से बताया गया । संस्थान के लक्ष्य के अनुसार दिशा को देखने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के साथियों को हरदा जिले की समस्याओं पर केन्द्रित एक सामूहिक कार्ययोजना बनाने के लिए कहां गया। जसमे मुख्यतः बाल अधिकार, शिक्षा, बेरोजगारी, रासायनिक खेती एवं अस्पशृता जैसी समस्याएँ मुख्यतः सामने निकलकर आई। संस्थान के कार्यो एवं गतिविधियों तथा संस्थान की कार्यप्रणाली पर चर्चा की गई । मंथन नामक बॉक्स मे साथियों ने अपने विचार लिख कर डाले । इसके अतिरिक्त संस्थान के कार्यो के विकास हेतु सुझाव प्राप्त हुए। जिससे संस्थान को अपनी सोच अनुसार दिशा बनाएँ रखने मे मदद प्राप्त हुई ।

- ***Initiative***

36. Aadhar library

संस्थान के कार्यलय मे एक लाईब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है। जिसमे विभिन्न सामाजिक मुद्दो की लगभग 550 पुस्तको को सहजा गया है। आधार के निर्माण का उद्देश्य प्रत्येक कार्य का आधार पुस्तको को से है। अर्थात अधिक से अधिक जानकारी को सहजने एवं उसके विस्तार हेतु लाईब्रेरी की स्थापना की गई है। संस्थान की सोच है कि भविष्य मे कार्य क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम मे आधार लाईब्रेरी की स्थापना कर युवओं मे जानकारी विस्तार का माध्यम बनाया जा सके।

37. Mess

युवाओ एवं संस्थान के कार्यकर्ताओं हेतु संस्थान मे एक मेस का संचालन किया जाता है। जिसमे न्युतम शुल्क पर अच्छा भोजन देने का प्रयास किया जाता है। मेस संबंधी व्ययो को कार्यकर्ताओं के द्वारा वहन किया जाता है।

38. Publications

संस्थान के द्वारा इस वर्ष स्विप अभियान अंतर्गत 5000 पम्पलेट एवं 2 प्रकार के पोस्टरो का निर्माण किया गया। पेयजल गुणवत्ता विषय पर 2000 पम्पलेट का निर्माण किया गया।